'जय श्री राम' के नारे को लेकर ममता बनर्जी ने एक बार फिर खोया अपना आपा

यह क्षेत्र भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन सिंह का गढ़ माना जाता है। सिंह ने चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दिनेश त्रिवेदी को पराजित किया है।

कोलकाता-पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बृहस्पतिवार को उस समय अपना आपा खो बैठी जब कुछ लोगों के एक समूह ने ''जय श्री राम'' के नारे लगाये। बनर्जी का काफिला उत्तरी 24 परगना जिले के संकटग्रस्त भाटपारा से गुजर रहा था तभी कुछ लोगों ने ''जय श्री राम'' के नारे लगाये जिसके बाद वह एक बार फिर अपना आपा खो बैठीं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुई 'हिंसा' के खिलाफ एक धरने में हिस्सा लेने के लिए नैहाटी जा रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ लोग उस समय ''जय श्री राम'' के नारे लगाते हुए नजर आ रहे हैं, जब बनर्जी का काफिला भाटपारा क्षेत्र से गुजर रहा था।

इस क्षेत्र में चुनाव परिणामों की घोषणा होने के बाद से भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच हिंसा चल रही है। यह क्षेत्र भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन सिंह का गढ़ माना जाता है। सिंह ने चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दिनेश त्रिवेदी को पराजित किया है। क्रोधित बनर्जी अपने कार से बाहर आई और उन्होंने अपने सुरक्षा अधिकारियों से इन पुरूषों के नाम लिखने को कहा। उन्हें यह कहते हुए सुना गया, ''आप अपने बारे में क्या सोचते हैं? आप अन्य राज्यों से आएंगे, यहां रहें और हमारे साथ दुर्व्यवहार करें। मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझे अपमानित करने की? आप सभी के नामों और विवरणों को लिख लिया जायेगा।''

मुख्यमंत्री के अपनी कार में वापस जाने के बाद उन लोगों ने फिर से ''जय श्री राम'' के नारे लगाये जिस वजह से उन्हें फिर से एक बार अपने वाहन से उतरना पड़ा। इसके बाद नैहाटी में धरने में बैठे लोगों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि भाजपा के कुछ कार्यकर्ता उनकी कार के सामने आये और उन्हें अपशब्द कहने लगे। उन्होंने पूछा, ''क्या यहीं लोकतंत्र है?'' इस घटना ने इस महीने की शुरूआत में पश्चिमी मिदनापुर जिले के चन्द्रकोना के निकट हुई इसी तरह की एक घटना की याद दिला दी। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान सामने आई एक वीडियो में बनर्जी उस समय अपना आपा खोती नजर आई थीं जब उनका काफिला क्षेत्र से गुजर रहा था तो कुछ लोग ''जय श्री राम'' के नारे लगा रहे थे।

देश के विकास के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की इच्छुक है कांग्रेस

2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। लगातार दूसरी बार ऐसा हुआ है जब कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए जरूरी 55 सीटें तक नही मिल पाई हैं।

नई दिल्ली-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह देश के विकास के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने की इच्छुक है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नई कैबिनेट के मंत्रियों को बधाई। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और भारत और उसके नागरिकों की प्रगति और विकास के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं।

गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। लगातार दूसरी बार ऐसा हुआ है जब कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए जरूरी 55 सीटें तक नहीं मिल पाई हैं। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 52 सीटें मिली हैं। दूसरी तरफ भाजपा को जनता ने 303 सीटों देकर बड़ी जीत दिलाई है। 2014 के चुनाव में कांग्रेस को केवल 44 लोकसभा सीटों से संतोष करना पड़ा था।

मप्र की पहली अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ान के लिए इंदौर हवाई अड्डा तैयार

इंदौर-चेक पोस्ट के लिये सिविल प्राधिकारी की नियुक्ति की गजट अधिसूचना जारी होने के साथ ही स्थानीय देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे से पहली अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। हवाई अड्डे की निदेशक अर्चना सान्याल ने पीटीआई-भाषा को बताया, भारत के राजपत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय की इस अधिसूचना के 27 मई को प्रकाशन के बाद हमारा हवाई अड्डा पहली अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान के लिये पूरी तरह तैयार है। इस उड़ान के परिचालन के लिये अन्य जरूरी मंजूरियां हमें पहले ही मिल चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि सरकारी विमानन कम्पनी एयर इंडिया इंदौर और शारजाह के बीच दैनिक यात्री उड़ान का प्रस्ताव स्थानीय हवाई अड्डा प्रबंधन को पहले ही दे चुकी है। यह मध्यप्रदेश भर में किसी भी विमानन कम्पनी की प्रस्तावित पहली अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान है। हवाई अड्डा निदेशक ने कहा, इंदौर-शारजाह-इंदौर उड़ान के परिचालन की तारीख तय करने को लेकर अंतिम फैसला एयर इंडिया प्रबंधन को ही करना है। हालांकि, हमें उम्मीद है कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और अन्य सम्बद्ध पक्षों से इस उड़ान के कार्यक्रम की मंजूरी के लिये इस विमानन कम्पनी की ओर से जल्द औपचारिकताएं पूरी की जायेंगी।

सान्याल ने बताया कि फिलहाल स्थानीय हवाई अड्डे पर देश के विभिन्न शहरों से 34 उड़ानें आ रही हैं और इतनी ही उड़ानें अलग-अलग घरेलू गंतव्यों के लिये हवाई अड्डे से जा रही हैं। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे की गिनती देश के व्यस्त घरेलू हवाई अड्डों में होती है। सरकारी आंकड़ो के मुताबिक वित्त वर्ष 2018-19 में स्थानीय हवाई अड्डे के जरिये करीब 31.59 लाख यात्रियों ने सफर किया था।

महाराष्ट्र के पीजी मेडिकल कोर्स में ईडब्ल्यूएस को नहीं मिलेगा 10 प्रतिशत आरक्षण

नई दिल्ली-उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण शिक्षण सत्र 2019-20 में महाराष्ट्र के पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम में दाखिले पर लागू नहीं होगा क्योंकि इस प्रावधान के प्रभावी होने से पहले ही दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अवकाश पीठ ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दूसरों की कीमत नहीं दिया जा सकता है। जब तक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) अतिरिक्त सीटों का सृजन नहीं करता, यह कोटा लागू नहीं हो सकता। पीठ ने रेखांकित किया कि पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम में दाखिले की प्रक्रिया नवंबर 2018 में शुरू हो गई थी जबकि ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए 103वां संविधान संशोधन जनवरी 2019 में पारित हुआ है। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने पीजी मेडिकल कॉलेजों में 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण मार्च 2019 में लागू किया। पीठ ने कहा, मौजूदा दाखिला प्रक्रिया में ईडब्ल्यूएस के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता है।

फर्जी अंकसूची व खेल प्रमाण पत्र से नौकरी, शिक्षाकर्मी गिरफ्तार

कोरबा (छत्तीसगढ़)-फर्जी अंकसूची और खेल प्रमाण पत्र बनाकर वर्ष 2007 से नौकरी करते आ रहे शिक्षाकर्मी वर्ग-3 को गिरफ्तार कर जांजगीर- चांपा जिले की पुलिस अपने साथ ले गई। जानकारी के अनुसार जांजगीर-चांपा जिले के थाना हसौद में वर्ष 2018 में फर्जी अंकसूची व खेल प्रमाण पत्र के आधार पर कुछ लोगों के द्वारा शिक्षाकर्मी के नौकरी की शिकायत की गई थी।

विवेचना बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक 145/18 पर धारा 420, 467, 468, 471 व 474 भादवि के तहत जुर्म दर्ज किया। मुख्य आरोपी चितरंजन प्रसाद कश्यप पिता धोबीलाल कश्यप 32 वर्ष निवासी ग्राम मरघट्टी थाना हसौद फरार था। उसकी पता तलाश की जा रही थी कि मुखबीर की सूचना पर आरोपी शिक्षाकर्मी चितरंजन को कोरबा जिले से मंगलवार को गिरफ्तार कर अपने साथ हसौद पुलिस ले गई।

बताया गया कि वर्ष 2007 में वह कक्षा 12वीं की परीक्षा में नियमित छात्र के तौर पर पीपीएचआर हायर सेकेण्डरी स्कूल ग्राम मल्दा से शामिल हुआ था। एक विषय में अनुत्तीर्ण हुआ था, शिक्षा कर्मी वर्ग-3 की सीधी भर्ती हेतु फर्जी अंकसूची एवं खेल प्रमाण पत्र बनवाकर वर्ष 2007 में जनपद पंचायत कोरबा में आवेदन प्रस्तुत कर नौकरी प्राप्त किया व 20 नवंबर 2007 से प्राथमिक शाला ग्राम छिरहुट में लगातार नौकरी करता आ रहा था।

कोरबा ब्लाक में सेवारत अधिकांश शिक्षकों का प्रमाण पत्र फर्जी होने की संभागायुक्त से शिकायत के बाद 29 से 31 जून तक कोरबा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में विकासखंड के 1135 शिक्षाकर्मी व 800 नियमित शिक्षकों के प्रमाण पत्रों का सत्यापन शुरू किया गया है।

कोरबा ब्लाक के अंतर्गत 24 जनशिक्षा केन्द्र के अधीन संचालित स्कूलों के शिक्षकों के लिए जांच हेतु अलग-अलग तिथि तय है। माना जा रहा है कि प्रमाण पत्रों की गंभीरता से जांच में कई फर्जीवाड़ा उजागर हो सकते हैं।

इस बीच सूत्रों से खबर है कि कोरबा में शिक्षाकर्मी भर्ती के मामले में संरक्षण प्रदान करने वाली लिपिक एवं अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने का आदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा पत्र जारी कर दिया गया है।

सारदा चिटफंड मामला-राजीव कुमार को एक महीने के लिए गिरफ़्तारी से राहत

कोलकाता-कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सारदा चिटफंड घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल सीआईडी के अतिरिक्त निदेशक राजीव कुमार को 10 जुलाई तक गिरफ्तारी और किसी भी दंडात्मक कार्यवाही से संरक्षण प्रदान किया। उच्च न्यायालय की अवकाशकालीन पीठ ने 10 जून से एक महीने के लिये उन्हें गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया और कुमार को आदेश दिये जाने के 24 घंटे के भीतर अपना पासपोर्ट जमा करने को कहा। गौरतलब है कि गर्मी की छुट्टियों के बाद 10 जून को अदालत खुलेगी।

कोलकाता के पूर्व पुलिस प्रमुख को करोड़ों रूपये के चिटफंड मामले में सीबीआई जांच में सहयोग करने को कहा गया है। उनसे जांच एजेंसी के एक अधिकारी के समक्ष रोजाना शाम चार बजे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को भी कहा गया है। न्यायमूर्ति प्रतीक प्रकाश बेनर्जी कहा कि याचिकाकर्ता ग्रीष्मावकाश के बाद 12 जून को अदालत के दोबारा खुलने पर नियमित पीठ के समक्ष उपस्थित होगा। कुमार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने सीबीआई के उस नोटिस को रद्द करने की मांग की जिसमें सारदा चिटफंड घोटाला मामले में उन पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कुमार को एक नोटिस भेजकर उनसे जांच में सहायता के लिये एजेंसी के समक्ष उपस्थित होने को कहा था। कोलकाता पुलिस के पूर्व आयुक्त कुमार को लोकसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी नीत सरकार ने एडीजी, सीआईडी नियुक्त किया था। हालांकि, चुनाव प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने उन्हें पद से हटा दिया और नई दिल्ली में गृह मंत्रालय से संबद्ध कर दिया गया। राज्य सरकार ने आचार संहिता वापस लिये जाने के बाद उन्हें फिर से उनके पद पर बहाल किया था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह करोड़ों रुपये के चिटफंड घोटाला मामले में गिरफ्तारी से कुमार को मिले संरक्षण को बढ़ाने से मना कर दिया था।

अब टीवी चैनलों पर एक महीनें तक नहीं दिखेंगे कांग्रेस के प्रवक्ता

नई दिल्ली-टेलीविजन मीडिया के एक बड़े हिस्से के एकतरफा रख से खफा कांग्रेस ने समाचार चैनलों के कार्यक्रमों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। अब पार्टी के प्रवक्ता एक महीने तक चैनलों के शो में शामिल नहीं होंगे। दरअसल, पार्टी ने यह फैसला उस वक्त किया है जब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के इस्तीफा देने की पेशकश के बाद पिछले कई दिनों से ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह अपने प्रवक्ताओं को एक महीने तक टीवी चैनलों के कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए नहीं भेजेगी। उन्होंने कहा, सभी मीडिया चैनलों/संपादकों से आग्रह किया जाता है कि वे अपने शो में कांग्रेस प्रतिनिधियों को शामिल ना करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक-रवि कुमार पोत्दार, 72/74, सुयश विहार, भमोरी दुबे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिस, 864/9, नेहरु नगर, इन्दौर म०प्र० से मुद्रीत
प्रधान संपादक-रवि कुमार पोत्दार आर.एन.आई. नम्बर-12782/2003 e-mail- censortimes@ hotmail.com